



财富应具有更多的道德性,慈善事业立法已刻不容缓,渤海湾应加大保护力度……两会开幕以来,山东的代表委员参政议政更加主动,提交了很多好的议案提案。连日来,本报记者兵分多路,来倾听和传递他们的声音。

# 徐显明:财富应有更多道德性

## 认为要重构社会价值观,塑造正义社会

本报北京3月8日讯(特派记者 邢振宇 赵文竹)“我国的社会发展目标是民主、富强、文明、和谐,我认为还缺少一个更高的目标,就是正义。”8日,全国人大代表、山东大学校长徐显明在接受记者采访时说,社会严重不公等矛盾已经凸显,解决这些问题首要的在于重构社会共同价值观,把社会塑造成为一个正义的社会。

“有一个富人,就会有五百个

穷人。”这句话形象地说明了当前我国收入分配不公的状况。收入分配再次成为今年两会关注的焦点。徐显明说,分配公正包括第一次分配、第二次分配、第三次分配,甚至包括现在讲第四种分配,每一种分配都得公正。第一次分配要实现多劳多得,少劳少得;第二次分配就是社会保障制度,要使每个人都能获得社会保障,二次分配的主要责任在国家,提供社会保障是一种国家责任和义务。

“像企业家及一些拥有财富的人,要让他们的财富更多拥有道德性,这就是第三次分配。”徐显明说,这些财富要回馈社会,可通过捐赠、慈善等方式为社会做贡献,实现财富的公正。

“当前还有一种说法叫代际正义,就是第四种分配。”他说,“我们这一代人不能过度使用环境和资源,不应该把属于子孙后代的都提前用了,代与代之间也要公正。”



徐显明在接受记者采访。  
本报记者 王媛 摄

全国人大代表、淄博市人大常委会副主任王法亮:

# 应尽快制定慈善事业法



王法亮在征集其他代表的联名。

本报记者 王媛 摄

本报北京3月8日讯(特派记者 赵文竹) 8日下午,在十一届全国人大五次会议山东团第一小组讨论的现场,原本并不属于这个组的全国人大代表、淄博市人大常委会副主任王法亮,拿着一份厚厚的材料和一张表格,逐个递

给在座代表,希望他们能够联名支持他牵头的一个议案。

“主要是关于一些法律的修订和新法律的立法。”王法亮说,《拍卖法》、《行政诉讼法》和《仲裁法》等一些法律制定时间比较早,应该根据现实的情况作出调整和修订,为修

订方案,他咨询了大量法律界人士。

王法亮还建议,慈善事业应尽快立法。“我大概是从去年夏天开始考虑慈善立法的事,主要是去年的许多事件都反映出老百姓对现在慈善的不信任。”王法亮认为,这主要跟现在慈善透明度不

够、慈善监督方面缺乏法律依据有关,因此他提出这个议案。“现在写了十几页,上万字,当然还只是个草稿,真正立法还需要专业的人士来,主要还是希望能尽快实现慈善立法。”王法亮说,他现在已经争取到20多个代表的联名。

政协委员、中国科学院海洋研究所研究员周名江:

# 填海,别打丁字湾的主意

本报北京3月8日讯(特派记者 刘红杰 杨凡) 8日,全国政协委员、中国科学院海洋研究所研究员周名江表示,海岸线不能无限开发。“有人在动丁字湾的脑筋,要填海做项目,我坚决反对。”

“中国所有的海,最怕渤海出事,因为渤海是内海,水交换慢。而且渤海水最凉,油在冷水中降解慢。溢油损害不能只看鱼虾死了多少,有些水产品不一定死,但影响生长,整个生态都受到影响。”周名江说。渤海溢油对渤海已经产生严重影响,更是提了个醒。要有好的管理制度,防止发生事故,一旦事故发生可以快速反应。

周名江称,要警惕渤海周围建设对渤海的影响。渤海周围大连、营口、天津、烟台等城市都在加速发展,大企业、大项目层出不穷,首钢也搬到了渤海湾,渤海湾承受的压力很大。

“现在渤海周围发展的势头强了点,保护的声音弱了点,地方政府应注重对渤海的保护,将发展与保护平衡一下。”周名江说,据他了解,现在有些人在动丁字湾的脑筋,打算填海做项目。“对此我坚决反对,一旦填海,丁字湾就不能自由呼吸了,里面的水动力、生物都会受影响,弄不好,湾就变成了滩涂。”

相关新闻

人大代表李登海:

## 违法填海可提起公益诉讼

8日,全国人大代表、山东登海种业董事长李登海接受记者采访时建议,修改《海域使用管理法》,增加公益诉讼。

李登海建议,修改现行《海域使用管理法》,增加违法行为人应负刑事责任的规定。对违法行为造成海洋环境破坏、违法占用海域面积达到一定数量,且无法恢复原状的,海洋行

政主管部门可以提起公益诉讼。“对违法行为人拒不缴纳罚款,或只缴纳罚款拒不恢复原状的,恢复原状所需的资金,以中介机构评估为准,追缴违法行为人的恢复金。增加公益诉讼可通过司法途径解决,以弥补《海域使用管理法》刑事责任规定之不足。”

本报特派记者 邢振宇

人大代表宋心仿:

## 应逐步减少使用添加剂

本报北京3月8日讯(特派记者 赵文竹 廖雯颖)“现在允许使用的添加剂就有2390多种,应该逐步减少这些对人体无益的添加剂的品种,直到最终不用。”全国人大代表、山东省东营市蜜蜂研究所所长宋心仿说。

宋心仿希望国家能大幅度减少允许使用的化学添加剂品种与数量,直至全面淘汰存在风险的添加剂,同时应该加强食品添加剂的法规制度建设,完善食品添加剂的标准体系。“添加剂的标准该如何制定,也需要反思。”宋心仿表示,还会就添加剂的标准制定、监管等进一步进行建议,继续呼吁取消香精、羊肉精等存在风险的食品添加剂。

全国政协常委王新陆:

## 高考不一定非得考英语

本报北京3月8日讯(特派记者 张鹏飞)“全民学外语对很多不愿意学外语的人和以后专业无需外语的人来讲,就是谋财害命。”全国政协常委、山东省政协副主席王新陆表示,不应该强制学英语,高考也不一定考英语。

“高考的这个敲门砖应该让孩子自己选择,是拿外语敲门还是拿古汉语敲门?只要你够了这个分,就能把这个门打开。”王新陆说,“大学四年,两年半考六级,考不过六级就没有毕业证,这种做法违背了教育思想。”

王新陆认为,多元化的教育,不能把孩子都装在一个框子里形成一个样,必须把教育放开。

政协委员郭松海:

## 要对房产企业做信用记录

本报北京3月8日讯(特派记者 王僊) 去年济南凤还阁院因为开发商卷款而去变成“空中楼阁”一度引人关注。全国政协委员、山东财经大学教授郭松海认为,政府在房地产市场中要真正履行好监管职能。

郭松海建议,把建设主管部门开发商品房预售许可证查询网和商品房销售网联网,使得只有手续齐全具备条件的楼盘,才能在其官网上预售。同时,要对房地产企业做出全面评判的信用记录,让购房者通过与商品房网上销售系统的链接得到了解,从而成为购房者决策的重要参考依据。

沪股(50021-50052)

|       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |       |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| 50021 | 50022 | 50023 | 50024 | 50025 | 50026 | 50027 | 50028 | 50029 | 50030 | 50031 | 50032 | 50033 | 50034 | 50035 | 50036 | 50037 | 50038 | 50039 | 50040 | 50041 | 50042 | 50043 | 50044 | 50045 | 50046 | 50047 | 50048 | 50049 | 50050 | 50051 | 50052 | 50053 | 50054 | 50055 | 50056 | 50057 | 50058 | 50059 | 50060 | 50061 | 50062 | 50063 | 50064 | 50065 | 50066 | 50067 | 50068 | 50069 | 50070 | 50071 | 50072 | 50073 | 50074 | 50075 | 50076 | 50077 | 50078 | 50079 | 50080 | 50081 | 50082 | 50083 | 50084 | 50085 | 50086 | 50087 | 50088 | 50089 | 50090 | 50091 | 50092 | 50093 | 50094 | 50095 | 50096 | 50097 | 50098 | 50099 | 50100 | 50101 | 50102 | 50103 | 50104 | 50105 | 50106 | 50107 | 50108 | 50109 | 50110 | 50111 | 50112 | 50113 | 50114 | 50115 | 50116 | 50117 | 50118 | 50119 | 50120 | 50121 | 50122 | 50123 | 50124 | 50125 | 50126 | 50127 | 50128 | 50129 | 50130 | 50131 | 50132 | 50133 | 50134 | 50135 | 50136 | 50137 | 50138 | 50139 | 50140 | 50141 | 50142 | 50143 | 50144 | 50145 | 50146 | 50147 | 50148 | 50149 | 50150 | 50151 | 50152 | 50153 | 50154 | 50155 | 50156 | 50157 | 50158 | 50159 | 50160 | 50161 | 50162 | 50163 | 50164 | 50165 | 50166 | 50167 | 50168 | 50169 | 50170 | 50171 | 50172 | 50173 | 50174 | 50175 | 50176 | 50177 | 50178 | 50179 | 50180 | 50181 | 50182 | 50183 | 50184 | 50185 | 50186 | 50187 | 50188 | 50189 | 50190 | 50191 | 50192 | 50193 | 50194 | 50195 | 50196 | 50197 | 50198 | 50199 | 50200 | 50201 | 50202 | 50203 | 50204 | 50205 | 50206 | 50207 | 50208 | 50209 | 50210 | 50211 | 50212 | 50213 | 50214 | 50215 | 50216 | 50217 | 50218 | 50219 | 50220 | 50221 | 50222 | 50223 | 50224 | 50225 | 50226 | 50227 | 50228 | 50229 | 50230 | 50231 | 50232 | 50233 | 50234 | 50235 | 50236 | 50237 | 50238 | 50239 | 50240 | 50241 | 50242 | 50243 | 50244 | 50245 | 50246 | 50247 | 50248 | 50249 | 50250 | 50251 | 50252 | 50253 | 50254 | 50255 | 50256 | 50257 | 50258 | 50259 | 50260 | 50261 | 50262 | 50263 | 50264 | 50265 | 50266 | 50267 | 50268 | 50269 | 50270 | 50271 | 50272 | 50273 | 50274 | 50275 | 50276 | 50277 | 50278 | 50279 | 50280 | 50281 | 50282 | 50283 | 50284 | 50285 | 50286 | 50287 | 50288 | 50289 | 50290 | 50291 | 50292 | 50293 | 50294 | 50295 | 50296 | 50297 | 50298 | 50299 | 50300 | 50301 | 50302 | 50303 | 50304 | 50305 | 50306 | 50307 | 50308 | 50309 | 50310 | 50311 | 50312 | 50313 | 50314 | 50315 | 50316 | 50317 | 50318 | 50319 | 50320 | 50321 | 50322 | 50323 | 50324 | 50325 | 50326 | 50327 | 50328 | 50329 | 50330 | 50331 | 50332 | 50333 | 50334 | 50335 | 50336 | 50337 | 50338 | 50339 | 50340 | 50341 | 50342 | 50343 | 50344 | 50345 | 50346 | 50347 | 50348 | 50349 | 50350 | 50351 | 50352 | 50353 | 50354 | 50355 | 50356 | 50357 | 50358 | 50359 | 50360 | 50361 | 50362 | 50363 | 50364 | 50365 | 50366 | 50367 | 50368 | 50369 | 50370 | 50371 | 50372 | 50373 | 50374 | 50375 | 50376 | 50377 | 50378 | 50379 | 50380 | 50381 | 50382 | 50383 | 50384 | 50385 | 50386 | 50387 | 50388 | 50389 | 50390 | 50391 | 50392 | 50393 | 50394 | 50395 | 50396 | 50397 | 50398 | 50399 | 50400 | 50401 | 50402 | 50403 | 50404 | 50405 | 50406 | 50407 | 50408 | 50409 | 50410 | 50411 | 50412 | 50413 | 50414 | 50415 | 50416 | 50417 | 50418 | 50419 | 50420 | 50421 | 50422 | 50423 | 50424 | 50425 | 50426 | 50427 | 50428 | 50429 | 50430 | 50431 | 50432 | 50433 | 50434 | 50435 | 50436 | 50437 | 50438 | 50439 | 50440 | 50441 | 50442 | 50443 | 50444 | 50445 | 50446 | 50447 | 50448 | 50449 | 50450 | 50451 | 50452 | 50453 | 50454 | 50455 | 50456 | 50457 | 50458 | 50459 | 50460 | 50461 | 50462 | 50463 | 50464 | 50465 | 50466 | 50467 | 50468 | 50469 | 50470 | 50471 | 50472 | 50473 | 50474 | 50475 | 50476 | 50477 | 50478 | 50479 | 50480 | 50481 | 50482 | 50483 | 50484 | 50485 | 50486 | 50487 | 50488 | 50489 | 50490 | 50491 | 50492 | 50493 | 50494 | 50495 | 50496 | 50497 | 50498 | 50499 | 50500 | 50501 | 50502 | 50503 | 50504 | 50505 | 50506 | 50507 | 50508 | 50509 | 50510 | 50511 | 50512 | 50513 | 50514 | 50515 | 50516 | 50517 | 50518 | 50519 | 50520 | 50521 | 50522 | 50523 | 50524 | 50525 | 50526 | 50527 | 50528 | 50529 | 50530 | 50531 | 50532 | 50533 | 50534 | 50535 | 50536 | 50537 | 50538 | 50539 | 50540 | 50541 | 50542 | 50543 | 50544 | 50545 | 50546 | 50547 | 50548 | 50549 | 50550 | 50551 | 50552 | 50553 | 50554 | 50555 | 50556 | 50557 | 50558 | 50559 | 50560 | 50561 | 50562 | 50563 | 50564 | 50565 | 50566 | 50567 | 50568 | 50569 | 50570 | 50571 | 50572 | 50573 | 50574 | 50575 | 50576 | 50577 | 50578 | 50579 | 50580 | 50581 | 50582 | 50583 | 50584 | 50585 | 50586 | 50587 | 50588 | 50589 | 50590 | 50591 | 50592 | 50593 | 50594 | 50595 | 50596 | 50597 | 50598 | 50599 | 50600 | 50601 | 50602 | 50603 | 50604 | 50605 | 50606 | 50607 | 50608 | 50609 | 50610 | 50611 | 50612 | 50613 | 50614 | 50615 | 50616 | 50617 | 50618 | 50619 | 50620 | 50621 | 50622 | 50623 | 50624 | 50625 | 50626 | 50627 | 50628 | 50629 | 50630 | 50631 | 50632 | 50633 | 50634 | 50635 | 50636 | 50637 | 50638 | 50639 | 50640 | 50641 | 50642 | 50643 | 50644 | 50645 | 50646 | 50647 | 50648 | 50649 | 50650 | 50651 | 50652 | 50653 | 50654 | 50655 | 50656 | 50657 | 50658 | 50659 | 50660 | 50661 | 50662 | 50663 | 50664 | 50665 | 50666 | 50667 | 50668 | 50669 | 50670 | 50671 | 50672 | 50673 | 50674 | 50675 | 50676 | 50677 | 50678 | 50679 | 50680 | 50681 | 50682 | 50683 | 50684 | 50685 | 50686 | 50687 | 50688 | 50689 | 50690 | 50691 | 50692 | 50693 | 50694 | 50695 | 50696 | 50697 | 50698 | 50699 | 50700 | 50701 | 50702 | 50703 | 50704 | 50705 | 50706 | 50707 | 50708 | 50709 | 50710 | 50711 | 50712 | 50713 | 50714 | 50715 | 50716 | 50717 | 50718 | 50719 | 50720 | 50721 | 50722 | 50723 | 50724 | 50725 | 50726 | 50727 | 50728 | 50729 | 50730 | 50731 | 50732 | 50733 | 50734 | 50735 | 50736 | 50737 | 50738 | 50739 | 50740 | 50741 | 50742 | 50743 | 50744 | 50745 | 50746 | 50747 | 50748 | 50749 | 50750 | 50751 | 50752 | 50753 | 50754 | 50755 | 50756 | 50757 | 50758 | 50759 | 50760 | 50761 | 50762 | 50763 | 50764 | 50765 | 50766 | 50767 | 50768 | 50769 | 50770 | 50771 | 50772 | 50773 | 50774 | 50775 | 50776 | 50777 | 50778 | 50779 | 50780 | 50781 | 50782 | 50783 | 50784 | 50785 | 50786 | 50787 | 50788 | 50789 | 50790 | 50791 | 50792 | 50793 | 50794 | 50795 | 50796 | 50797 | 50798 | 50799 | 50800 | 50801 | 50802 | 50803 | 50804 | 50805 | 50806 | 50807 | 50808 | 50809 | 50810 | 50811 | 50812 | 50813 | 50814 | 50815 | 50816 | 50817 | 50818 | 50819 | 50820 | 50821 | 50822 | 50823 | 50824 | 50825 | 50826 | 50827 | 50828 | 50829 | 50830 | 50831 | 50832 | 50833 | 50834 | 50835 | 50836 | 50837 | 50838 | 50839 | 50840 | 50841 | 50842 | 50843 | 50844 | 50845 | 50846 | 50847 | 50848 | 50849 | 50850 | 50851 | 50852 | 50853 | 50854 | 50855 | 50856 | 50857 | 50858 | 50859 | 50860 | 50861 | 50862 | 50863 | 50864 | 50865 | 50866 | 50867 | 50868 | 50869 | 50870 | 50871 | 50872 | 50873 | 50874 | 50875 | 50876 | 50877 | 50878 | 50879 | 50880 | 50881 | 50882 | 50883 | 50884 | 50885 | 50886 | 50887 | 50888 | 50889 | 50890 | 50891 | 50892 | 50893 | 50894 | 50895 | 50896 | 50897 | 50898 | 50899 | 50900 | 50901 | 50902 | 50903 | 50904 | 50905 | 50906 | 50907 | 50908 | 50909 | 50910 | 50911 | 50912 | 50913 | 50914 | 50915 | 50916 | 50917 | 50918 | 50919 | 50920 | 50921 | 50922 | 50923 | 50924 | 50925 | 50926 | 50927 | 50928 | 50929 | 50930 | 50931 | 50932 | 50933 | 50934 | 50935 | 50936 | 50937 | 50938 | 50939 | 50940 | 50941 | 50942 | 50943 | 50944 | 50945 | 50946 | 50947 | 50948 | 50949 | 50950 | 50951 | 50952 | 50953 | 50954 | 50955 | 50956 | 50957 | 50958 | 50959 | 50960 | 50961 | 50962 | 50963 | 50964 | 50965 | 50966 | 50967 | 50968 | 50969 | 50970 | 50971 | 50972 | 50973 | 50974 | 50975 | 50976 | 50977 | 50978 | 50979 | 50980 | 50981 | 50982 | 50983 | 50984 | 50985 | 50986 | 50987 | 50988 | 50989 | 50990 | 50991 | 50992 | 50993 | 50994 | 50995 | 50996 | 50997 | 50998 | 50999 | 51000 |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|